>

Title: Need to include Riyasi, Kathua and Udhampur districts in J&K under BRGF.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): सभापति महोदय जी, जब आप आसन पर बैठते हैं, तो आपकी पार्लियामैंट और पार्लियामैंटेरियन के लिए जो सोच है, उसके लिए मैं आपका शुक्रिया करना चाहता हूं, क्योंकि मैंने देखा है कि पार्लियामैंट और पार्लियामैंटेरियन को जिससे फायदा हो सकता है, उसके बारे में आप हमेशा सोचते हैं।

महोदय, पिछले दिनों जब आप नहीं थे, मैंने जीरो के प्रति जीरो लगाया। आज मैं उसको कहना चाहता हूं। वे कहें कि क्या कह रहा है? यह समय की बात है। मैं कह रहा हूं कि मैं आज जीरो की प्रोटेक्शन के लिए खड़ा हुआ हूं कि जीरो तो हम बोलते हैं। यह मेरा सेकण्ड टर्म है। इससे पहले मैं मिनिस्टर था, एमएलए था, वह अलग बात है, लेकिन यहां सेकण्ड टर्म है। मैंने कोई सीरियस इंसान नहीं देखा, जिसको जीरों से हमदर्दी हो। जीरो आवर के बारे में यह माना जाता है कि हर बन्दे की ख्वाहिश होती है और मेजारिटी की ख्वाहिश होती है कि हमें मॉर्निंग में बुलाया जाए। अभी का हाल देखिए। यह बहुत खराब हालत है। हम लोग ही हमेशा शाम को पार्लियामेंट की बैठक खत्म करके जाते हैं। मेरा निवेदन है कि अगर जनाबेआली चाहें, जीरो आवर के बारे में एक रूलिंग हो जाए कि अगर ये कमेटी बना देते हैं, तो मैं समझता हूं कि इससे बड़ा काम कोई भी नहीं होगा।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : लाल सिंह जी, दारा सिंह चौहान जी यहां बैठे हुए हैं, वह भी एक दल के नेता हैं। मैंने इन्हीं लोगों से आग्रह किया है, मैं इंडिपेंडेंट हूं, इसलिए मैं तो बीएसी में जाता नहीं हूं, मैं बीएसी में बैठता नहीं हूं। इसलिए ये नेता लोग हैं, अगर ये लोग राय दें, तो Speaker is all competent to do it.

चौधरी लाल सिंह : मैं जनाब से कहना चाहता हूं कि...(व्यवधान)

सभापति महोदय : अगर आपका कोई विषय हो, तो उसी पर आइए।

चौधरी लाल सिंह : महोदय, आप जानते हैं कि बिना विषय के मैं खड़ा ही नहीं होता हूं।

मेरी कांस्टीट्वेंसी में सात जिले हैं जहां सात डीसी बैठते हैं, 22,000 स्क्वायर किलोमीटर की कांस्टीट्वेंसी है। इनमें से तीन जिले ऐसे हैं जहां बीआरजीएफ दिया गया है और तीन जिले ऐसे हैं, जहां बीआरजीएफ नहीं दिया गया है। मेरा एक जिला है रियासी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने अपने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट बोर्ड में लिखकर दिया है कि उस जिले के 47 प्रतिशत लोग पढ़े हुए हैं। आप बताएं, वहां पौने तीन सौ गांव हैं, आप इसको सीधे-सीधे तख्सीम कीजिए, 120-122 आदमी, पूरा विलेज ही नहीं पढ़ा हुआ है। यह कौन सी परिभाषा है कि गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के जो सवेक्षण हैं, जो सर्वे ऑफ इंडिया, जो यहां स्टेस्टिक्स का हिसाब-किताब देता है, ये यह क्यों नहीं देखते हैं कि यहां एजुकेशन ही नहीं है, तो वहां है क्या? अगर आप हमारे इन जिलों में जाएं, रियासी हो, ऊधमपुर हो या कठुआ जिला हो, सभी जिलों में हिली टैरेन है, रिमोटेस्ट एरिया है, डेन ऑफ मिलिटेंसी है। वहां कोई कनेक्टिविटी नहीं है, बिजली का बुरा हाल है, पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है, स्कूल आप दे नहीं सकते हैं। मेरी जनाब से विनती है कि आप इसमें इंटरवीन करें, मेरे इन तीन जिलों को बीआरजीएफ में शामिल करवा दें। इनमें सबसे पहले रियासी को शामिल कराएं, जिससे बच्चे पढ़ सकें, बच्चे जी सकें, वह इलाका डेवलप हो सके और इस पार्लियामेंट का गुण गाएं कि इस पार्लियामेंट ने यह डिसीजन करवाया था। धन्यवाद। जय हिन्द।

सभापति महोदय : मंत्री जी, इस बिन्दु को अवश्य नोट करें।

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरीश रावत): माननीय सदस्य ने सिर्फ रियासी की बात कही है।

सभापति महोदय : लाल सिंह जी, आप मंत्री जो जिले बता दीजिए।

चौधरी लाल सिंह : इन जिलों का नाम रियासी, कठुआ और ऊधमपुर है।

MR. CHAIRMAN : The House stands adjourned to meet on Monday, the 8th August, 2011 at 11 a.m.

19.00hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Monday, August 8, 2011/Sravana 17, 1933 (Saka.)

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.